ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)

बुलेटिन संख्या-८५
दिनांक-मंगलवार,२७ नवम्बर,२०१८

टेलीफोन -०६२७४-२४०२६६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः २८.० एवं १०.६ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८२ सुबह में एवं दोपहर में ४७ प्रतिशत, हवा की औसत गति ०.७ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण १.६ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ६.५ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में १५.० एवं दोपहर में २४.७ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(२८ नवम्बर से २ दिसम्बर, २०१८)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी २८ नवम्बर से २ दिसम्बर,२०१८ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में बादल आ सकते हैं। इस दौरान मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है।
- अधिकतम तापमान २६ से २७ डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है तथा न्यूनतम तापमान ११ से १३ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। सुबह में हल्का कुहासा रह सकता है।
- औसतन ३ से ५ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पुरवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ७५ से ८५ प्रतिशत तथा दोपहर में ४५ से ५५ प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- सिंचित एवं समयकालीन गेहुँ की किस्मों की बुआई किसान भाई ५ दिसम्बर तक अवश्य सम्पन्न कर लें। उत्तर बिहार के लिए सिंचित एवं समयकालीन गेहुँ की *पी०बी०डब्लू०-३४३,पी०बी०डब्लू०-४४३,सी०बी०डब्लू०-३८,डी०बी०डब्लू०-३९, एच०डी०-२७३३,एच०डी०-२९६७, एच०डी०-२८२४, के०-९१०७, के०-३०७, एच०यू०डब्लू०- २०६ एवं एच०यू०डब्लू०-४६८* किस्में अनुशंसित है। बीज को बुबाई से पहले बेबीस्टीन २.५ ग्राम की दर से प्रति किलोग्राम बीज को उपचारित करें। छिटकबाँ विधि से बुआई के लिए प्रति हेक्टेयर १२५ किलोग्राम तथा सीड ड्रील से पंक्ति में बुआई के लिए १०० किलोग्राम बीज का व्यवहार करें। बुआई पूर्व खेत में १५०-२०० क्विटल कम्पोस्ट, ६० किलोग्राम नेत्रजन, ६० किलोग्राम फॉसफोरस एवं ४० किलोग्राम पोटास प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें।
- गेहूँ की बीज के अच्छे जमाव के लिए बुआई पूर्व खेत की नमी की जाँच आवश्यक है। नमी के अभाव रहने पर किसान पहले खेत की हल्की सिंचाई करलें बाद में गेहूँ की बुआई करें। जिन खेतों में दीमक का प्रकोप हो बुआई पूर्व बीज को क्लोरपायरिफॉस २० ई०सी० दवा का ८ मि०ली० प्रति किलोग्राम बीज की दर से अवश्य उपचारित करें।
- चारे के लिए जई तथा बरसीम की बुआई करें। जई के लिए ८० किलोग्राम बीज तथा बरसीम के लिए २० किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर का व्यवहार करें।
- रबी मक्का की बुआई ३० नवम्बर तक अवश्य सम्पन्न कर लें। इसके लिए संकर किस्में *शक्तिमान १ सफेद, शक्तिमान २ सफेद, शक्तिमान-३ पीला, शक्तिमान ४ पीला, शक्तिमान-५ पीला, गंगा ११ नारंगी पीला, राजेन्द्र संकर मक्का १, राजेन्द्र संकर मक्का २ एवं राजेन्द्र संकर मक्का दीप ज्वाला तथा संकुल किस्में- देवकी सफेद, लक्ष्मी सफेद एवं सुआन पीला* इस क्षेत्र के लिए अनुसंशित है। खेत की जुताई में १००-१५० क्विंटल कम्पोस्ट, ६० किलोग्रम नेत्रजन, ७५ किलोग्रम फास्फोरस एवं ५० किलोग्रम पोटाश प्रति हेक्टर की दर से व्यवहार करें। बीज दर २० किलोग्रम प्रति हेक्टेयर तथा दूरी ६० x २० से०मी० रखें।
- राई की पिछेती किस्में राजेन्द्र अनुकूल, राजेन्द्र सुफलाम एवं राजेन्द्र राई पिछेती की बुआई इस माह के अन्त तक कर लें। राई की फसल जो २० से २५ दिनों की हो गयी है उसमें निकौनी तथा बछनी कर पौधे से पौधे की दुरी १२-१५ से०मी० रखें।
- आलू की रोपाई प्राथमिकता दे कर पूरा करने का प्रयास करें। विगत माह में लगाये गये आलू के पौधों की उँचाई १५-२० से०मी० हो जाने पर आलू में निकौनी कर मिट्टी चढ़ाने का कार्य करें। आवश्यकतानुसार सिंचाई करे।
- चना की बुआई के लिए उपयुक्त समय चल रहा है। किसान भाई १० दिसम्बर तक चना की बुआई अवश्य सम्पन्न कर लें। *पूसा-२५६, के०पी०जी०-५६(उदय), के०डब्लू०आर० १०८, पंत जी १८६ एवं पूसा ३७२* चना के लिए अनुशंसित उन्नत कस्में हैं। बीज को बेबीस्टीन २.५ ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। २४ घंटा बाद उपचारित बीज को कजरा पिल्लू से बचाव हेतु क्लोरपाईरीफॉस ८ मि०ली० प्रति किलोग्राम की दर से मिलावें। पुनः ४ से ५ घंटे छाया में रखने के बाद राईजोबीयम कल्चर (पॉच पैकेट प्रति हेक्टेयर) से उपचारित कर बुआई करें।
- प्याज की स्वस्थ पौध के लिए पौधशाला से प्रत्येक १० से १२ दिनों के अन्तराल में खरपतवार निकाल कर हल्की सिंचाई करें। पौधशाला में कीट-व्याधी की निगरानी करें।
- गोभी की फसल में पत्ती खाने वाली कीट (डायमंड बैक मॉथ) की निगरानी करें। इस कीट के पिल्लू गोभी की मध्यवाली पत्तियों तथा सिरवाले भाग को अधिक क्षति पहुँचाती हैं। शुरुआती अवस्था में यह पिल्लू पत्तियों की निचली सतह में सुरंग बनाकर एवं उसके अन्दर पत्तियो को खाता है। इस कीट से वचाव हेतु स्पेनोसेड ४८ इ०सी० दवा एक मि०ली० प्रति ४ लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। अच्छे परिणाम के लिए एक मि०ली० गोन्द प्रति लीटर पानी में डालें।
- विगत माह बोयी गई मटर, राजमा, लहसून एवं सब्जियों वाली फसलें- बैगन, टमाटर, मिर्च, पत्तागोभी एवं फूलगोभी में निकाई गुराई तथा आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।

आज का अधिकतम तापमानः २८.२ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ०.६ डिग्री अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः १०.८ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.७ डिग्री कम

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी